No. of Printed Pages : 4

MES-112(S)

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

00438

June, 2018

MES-112(S) : DESIGN AND DEVELOPMENT OF SELF-LEARNING PRINT MATERIALS

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the process of course development in a distance education system. Explain how course planning helps in course development in distance education.

OR

Explain how Gagné's approach to learning is a synthesis of cognitivism and behaviourism. Discuss its implications for designing and development of distance learning print material.

2. Answer the following question in about 600 words :

"In distance education system a teacher teaches through materials." Keeping in view the above statement, discuss characteristics of self-learning print materials.

OR

Discuss the process of communication. Explain how various technologies of communication can be part of the learning experience of distance learners.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Explain the importance of course revision in distance education system.

(b) Differentiate between Free Press and Social Responsibility theories of communication.

(c) Explain the system approach to curriculum planning.

(d) How do the principles of "Programmed Instruction" influence self-learning materials in distance education ?

(e) Differentiate between textbook and self-learning material.

(f) Explain the issues of motivation and reinforcement in the study material prepared for distance learners.

4. Answer the following question in about 600 words :

Design and develop a unit of self-learning print material on a topic of your choice incorporating all the characteristics of self-learning.

एम.ए. (शिक्षा)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

एम.ई.एस.-112(S) : स्व-अध्ययन मुद्रित सामग्री की रूपरेखा एवं विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक दूरस्थ शिक्षा तंत्र में पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए । समझाइए कि दूरस्थ शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास में पाठ्यक्रम नियोजन कैसे मदद करता है ।

अथवा

व्याख्या कीजिए कि गेगने का अधिगम उपागम संज्ञानवाद और व्यवहारवाद का संश्लेषण कैसे है । दूरस्थ अधिगम मुद्रित सामग्री की संरचना और विकास में इसकी उपादेयताओं की चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

"दूरस्थ शिक्षा तंत्र में एक शिक्षक सामग्री के माध्यम से पढ़ाता है ।" उपर्युक्त कथन को ध्यान में रखते हुए स्व-अधिगम मुद्रित सामग्री के अभिलक्षणों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

संप्रेषण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए । दूरस्थ अध्येता के अधिगम अनुभवों का संप्रेषण की विविध तकनीकियाँ एक हिस्सा कैसे बन सकती हैं ? व्याख्या कीजिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) दूरस्थ शिक्षा तंत्र में पाठ्यक्रम पुनर्गठन के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

(ख) सम्प्रेषण के मुक्त प्रेस एवं सामाजिक दबाव-उत्तरदायित्व सिद्धान्तों में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) पाठ्यचर्या नियोजन के प्रक्रम उपागम की व्याख्या कीजिए ।

(घ) दूरस्थ शिक्षा में स्व-अधिगम सामग्री निर्माण को "अभिक्रमित अनुदेशन" के सिद्धान्त कैसे प्रभावित करते हैं ?

(ङ) पाठ्य-पुस्तक एवं स्व-अधिगम सामग्री में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(च) दूरस्थ अध्येताओं के लिए अधिगम सामग्री में अभिप्रेरण तथा पुनर्बलन के मुद्दों की व्याख्या कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

स्व-अधिगम के सभी अभिलक्षणों को समाहित करते हुए अपनी रुचि के एक प्रकरण पर स्व-अधिगम मुद्रित सामग्री की एक इकाई की संरचना एवं विकास कीजिए ।